



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शनिवार, 17 मई, 2003/27 बेशाख, 1925

हिमाचल प्रदेश सरकार

कार्यालय भागपुत, चम्बा, जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश

कारण बताया नोटिस

चम्बा-176 310, 28 अप्रैल, 2003

नमस्कि पं० चम्बा-गु० (16) 10/79-02-11-18-594.—एतद्वारा श्री गुरेश कुमार, सदस्य, ताई-6 ग्राम, ग्राम पंचायत गरीला, विचाम खण्ड भरमौर, जिला चम्बा का ध्यान हिमाचल प्रदेश पंचायती राज मशोधन अधिनियम, 2000 (2000 का अधिनियम संख्या-18) के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 2000 की धारा 122 की संशोधित धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड (ण) का ओर आकर्षित किया जाता है।

(यदि उसके दो से अधिक सन्तान है)।

परन्तु खण्ड (ण) के अधीन निरहंता उम्र ध्यावन का लागू नहीं जिसके यथार्थान्त हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (मशोधन) अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख पर या ऐसे प्रारम्भ के एक वर्ष की अवधि के पश्चात् और कोई सन्तान नहीं होती।

अतः क्योंकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (मशोधन) अधिनियम, 2000, दिनांक 8-6-2001 का लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड (ण) का प्रारम्भ 8-6-2001 से प्रभावी होता है। अतः 8-6-2001

को पश्चात् यदि किसी पंचायत पदाधिकारी के इस प्रावधान के लागू होने के पूर्व दो या दो से अधिक सन्तान है तो वह पंचायती राज संस्था से पदामीन के अयोग्य होगा। खण्ड विकास अधिकारी भरमौर 2810, दिनांक 4-10-02 के द्वारा प्रेषित जांच रिपोर्ट में सूचित किया है कि आपके 8-6-2001 के पश्चात् एक अतिरिक्त सन्तान हुई है जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत भगोला के जन्म रजिस्टर रजिस्ट्रीकरण संख्या 222, दिनांक ... के अन्तर्गत दर्ज है, जिसका जन्म दिनांक ... को हुआ है। इस प्रकार यह आपकी 3 सन्तान है। जो कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम की धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड (ग) के अन्तर्गत अयोग्य आता है।

अतः आपको निर्देश दिए जाते हैं कि आप पत्र प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर अपना पक्ष प्रस्तुत करें, कि उपरोक्त प्रावधान के दृष्टिगत क्यों न आपके विरुद्ध हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (क) के अधीन कार्यवाही अमल में लाई जाए।

चम्बा-176 310, 28 अप्रैल, 2003

क्रमांक पंच-चम्बा-ए0 (16) 10/79-02-11-18-601.—एतद्वारा श्रीमती मात देई, सदस्य, वार्ड-3, ग्राम पंचायत सनवाल, विकास खण्ड तीसा, जिला चम्बा का ध्यान हिमाचल प्रदेश पंचायती राज संशोधन अधिनियम, 2000 (2000 का अधिनियम संख्या-18) के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 2000 की धारा 122 की संशोधित धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड (ग) की ओर आकर्षित किया जाता है।

(यदि उसके दो से अधिक जीवित सन्तान है)।

परन्तु खण्ड (ग) के अधीन निरहता उस व्यक्ति को लागू नहीं जिसके यथास्थिति हिमाचल प्रदेश पंचायती राज संशोधन अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख पर या ऐसे प्रारम्भ के एक वर्ष की अवधि के पश्चात् और सन्तान नहीं होती।

अतः क्योंकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000, दिनांक 8-6-2001 को लागू हो चुका है तथा 122 के खण्ड (ग) का प्रावधान दिनांक 8-6-2001 से प्रभावी होता है। अर्थात् 8-6-2001 के पश्चात् यदि किसी पंचायत पदाधिकारी के इस प्रावधान लागू होने के पूर्व दो या दो से अधिक सन्तान है तो वह पंचायती राज संस्था से पदामीन के अयोग्य होगा। खण्ड विकास अधिकारी तीसा सं० 2387 दिनांक 10-2-02 के द्वारा प्रेषित जांच रिपोर्ट में सूचित किया है कि आपके 8-6-2001 के पश्चात् एक अतिरिक्त सन्तान हुई है जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत सनवाल के जन्म रजिस्टर रजिस्ट्रीकरण संख्या 45, दिनांक ... के अन्तर्गत दर्ज है, जिसका जन्म दिनांक ... को हुआ है इस प्रकार यह आपकी आठवीं सन्तान है। जो कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम की धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड (ग) के अन्तर्गत अयोग्य आता है।

अतः आपको निर्देश दिए जाते हैं कि आप पत्र प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर अपना पक्ष प्रस्तुत करें, कि उपरोक्त प्रावधान के दृष्टिगत क्यों न आपके विरुद्ध हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (क) के अधीन कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

चम्बा-176310, 28 अप्रैल, 2003

संख्या पंच-चम्बा-ए0 (16) 10/79-2002-II-18-580.—एतद्वारा श्री मदन लाल, सदस्य वार्ड-4, ग्राम पंचायत दियोल, विकास खण्ड भरमौर, जिला चम्बा का ध्यान हि० प्र० पंचायती राज संशोधन अधिनियम, 2000 (2000 का अधिनियम, संख्या 18) के अन्तर्गत हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 2000 की धारा 122 की संशोधित धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड-ग की ओर आकर्षित किया जाता है।

(यदि उसके दो से अधिक जीवन सन्तान है) :

परन्तु खण्ड-ण के अन्तिम निरहंता उस व्यक्ति को लागू नहीं होंगी जिसके यथार्थ्यति हि० प्र० पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख पर या ऐसे प्रारम्भ के एक वर्ष की अवधि के पश्चात् और सन्तान नहीं होती है ।

अतः क्योंकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 दिनांक 8-6-2001 को लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड-ण का प्रावधान 8-6-2001 से प्रभावी होता है अर्थात् 8-6-2001 के पश्चात् यदि किसी पंचायत पदाधिकारी के जिसके इस प्रावधान के लागू होने के पूर्व दो या दो से अधिक सन्तान है तो वह पंचायती राज संस्था में पदासीन के अयोग्य होगा । खण्ड विकास अधिकारी के पत्र 4120 दिनांक 20-1-2003 के द्वारा प्रेषित जांच रिपोर्ट में सूचित किया है कि आपके 8-6-2001 के पश्चात् एक अतिरिक्त सन्तान हुई है जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत दियोल के जन्म रजिस्टर के रजिस्ट्रीकरण संख्या 58 दिनांक 17-12-2002 के अन्तर्गत दर्ज है, जिसका जन्म दिनांक 13-11-2001 को हुआ है इस प्रकार यह आपकी तीसरी सन्तान है । जाँच हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम की धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड-ण के अन्तर्गत अयोग्यता में आता है ।

अतः आपको निर्देश दिए जाने हैं कि आप पत्र की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर अपना पत्र प्रस्तुत करें कि उपरोक्त प्रावधान के दृष्टिगत क्या न आपके विरुद्ध हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम 1994 की धारा 131 (क) के अधीन कार्यावाही प्रभाव में लाई जाएगी ।

चम्बा-176310, 28 अप्रैल, 2003

क्रमांक-पंच-चाम्ब-ग०(16)10/79-2002-II-18-587.—एतद द्वारा श्रीमती संतोष कुमारी सदस्य वाई 3, ग्राम पंचायत दियोल, विकास खण्ड भरमौर, जिला चम्बा का ध्यान हिमाचल प्रदेश पंचायती राज संशोधन अधिनियम, 2000 (2002 का अधिनियम संख्या 18) के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम 2000 की धारा 122 की संशोधित धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड-ण को और अंकित किया जाता है ।

(यदि उसके दो से अधिक जीवन सन्तान है) ।

परन्तु खण्ड-ण के अन्तिम निरहंता उस व्यक्ति को लागू नहीं होंगी जिसके यथार्थ्यति हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख पर या ऐसे प्रारम्भ के एक वर्ष की अवधि के पश्चात् और सन्तान नहीं होती ।

अतः क्योंकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 दिनांक 8-6-2001 को लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड-ण का प्रावधान 8-6-2001 से प्रभावी होता है अर्थात् 8-6-2001 के पश्चात् यदि किसी पंचायत पदाधिकारी के जिसके इस प्रावधान के लागू होने के पूर्व दो या दो से अधिक सन्तान है तो वह पंचायती राज संस्था में पदासीन के अयोग्य होगा । खण्ड विकास अधिकारी के पत्र भरमौर 41-20 दिनांक 20-1-2003 के द्वारा प्रेषित जांच रिपोर्ट में सूचित किया जाता है कि आपके 8-6-2001 के पश्चात् एक अतिरिक्त सन्तान हुई है जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत दियोल के जन्म रजिस्टर के रजिस्ट्रीकरण संख्या-40 दिनांक 17-12-2002 के अन्तर्गत दर्ज है, जिसका जन्म दिनांक 13-12-2002 को हुआ है इस प्रकार यह आपकी पांचवीं सन्तान है । जाँच हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम की धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड-ण के अन्तर्गत अयोग्यता में आता है ।

अतः आपको निर्देश दिए जाते हैं कि आप पत्र की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर अपना पक्ष प्रस्तुत करें, कि उपरोक्त प्रावधान के दृष्टिगत क्यों न आपके विरुद्ध हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (क) के अधीन कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

चम्बा, 29 अप्रैल, 2003

क्रमांक पंच-चम्बा-ए० (16) 10/79-02-11-18-610.—एनद द्वारा श्रीमति रानी देवी वाई पंच पुखरेड-1, ग्राम पंचायत ककरोटी, विकास खण्ड भटियात, जिला चम्बा का ध्यान हिमाचल प्रदेश पंचायती राज संशोधन अधिनियम, 2000 (2000 का अधिनियम संस्था-18) के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 2000 की धारा 122 की संशोधित धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड 7 की ओर आकर्षित किया जाता है।

(यदि उसके दो से अधिक जीवित सन्तान है)

परन्तु खण्ड 7 के अधीन निरर्हता उस व्यक्ति को लागू नहीं जिसके यथास्थिति हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख पर या ऐसे प्रारम्भ के एक वर्ष की अवधि के पश्चात और सन्तान नहीं होती।

अतः क्योंकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000, दिनांक 8-6-2001 को लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड 7 का प्रावधान 8 से प्रभावी होता है अर्थात् 8-6-2001 के पश्चात यदि किसी पंचायत पदाधिकारी के इस प्रावधान के लागू होने के पूर्व दो या दो से अधिक सन्तान है तो वह पंचायती राज संस्था से पदासीन के अयोग्य होगा। खण्ड विकास अधिकारी को 1838 दिनांक 2-12-2002 के द्वारा प्रेषित जांच रिपोर्ट में सूचित किया जाता है कि आपके 8-6-2001 के बाद एक अतिरिक्त सन्तान हुई है जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत ककरोटी के जन्म रजिस्ट्रीकरण संस्था 5 दिनांक 28-3-2002 के अन्तर्गत दर्ज है, जिसका जन्म दिनांक 17-3-2002 को हुआ है इस प्रकार यह आपकी चौथी सन्तान है। जोकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम की धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड 7 के अन्तर्गत अयोग्य आता है।

अतः आपको निर्देश दिये जाते हैं कि आप पत्र प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर अपना पक्ष प्रस्तुत करें, कि उपरोक्त प्रावधान के दृष्टिगत क्यों न आपके विरुद्ध हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (क) के अधीन कार्यवाही में लाई जायेगी।

सुनील चौधरी,
उपायुक्त चम्बा, जिला चम्बा।

चम्बा-176310, 3 मई, 2003

संख्या पंच-चम्बा-ए० (16) 10/79-2002-II-635.—खण्ड विकास अधिकारी मैहला के पत्र संख्या व दिनांक शून्य द्वारा दी गई सूचना तथा इस सम्बन्ध में जिला पंचायत अधिकारी चम्बा द्वारा की गई जांच अनुसार श्री सरन दाम, प्रधान, ग्राम पंचायत छतराडी, विकास खण्ड मैहला, जिला चम्बा, ग्राम पंचायत छतराडी की दिनांक 6-1-2003 से 26-4-2003 तक हुई 9 बैठकों में पंचायत को बिना किसी उचित कारण बताए लगातार अनुपस्थित रहे हैं। बैठके जिनमें अनुपस्थिति पाई गई का विवरण निम्न प्रकार से है:—

6-1-03, 27-1-03, 10-2-03, 25-2-03, 9-3-03, 26-3-03, 6-4-03 (ग्राम सभा) 9-4-03 व 26-4-03।

हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (1) (ख) में प्रावधान है कि पंचायत या इसकी समितियों को लगातार तीन बैठकों से अनुपस्थित रहता है या पंचायत की स्वीकृति के बिना छः मास की कालावधि के की गई बैठकों की आधी संख्या में उपस्थित नहीं होता तो वह उप-धारा 2 के उपबन्धों के अधीन रहते हुए ऐसा पदाधिकारी नहीं रहेगा और उसका पद रिक्त हो जाएगा।

इससे पहले कि प्रधान, ग्राम पंचायत छतराडी के विरुद्ध ग्राम पंचायत छतराडी की उक्त वर्णित बैठकों में लगातार अनुपस्थित रहने पर हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (1) (ख) के अन्तर्गत कार्यवाही अमल में लाई जाए, श्री सरन दाम, प्रधान, ग्राम पंचायत छतराडी, विकास खण्ड मेहला, जिला चम्बा को कारण बताओ नोटिस दिया जाता है कि उनके विरुद्ध उपरोक्त अधिनियम के प्रावधान अनुसार कार्यवाही क्यों न की जाए। इस सम्बन्ध में अपना पक्ष इस कार्यालय द्वारा जारी कारण बताओ नोटिस की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर इस कार्यालय को प्रस्तुत करें अन्यथा यह समझा जाएगा कि वह इस विषय में कुछ नहीं कहना चाहते और अपना दोष स्वीकार करते हैं तथा उनके विरुद्ध एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

हस्ताक्षरित/-

उपायुक्त, चम्बा,

जिला चम्बा, (हि० प्र०)।

